THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI P. SHIV SHANKAR): (a) There is no specific proposal at present to set up new fertilizer units in Bihar.

(b) Does not arise.

Request from U.P. for private power houses

*793. SHRI MOHAMMAD ASRAR AHMAD: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether any request has been received from the Government of Uttar Pradesh for allowing the installation of private power houses in Uttar Pradesh in view of the acute paucity of electricity there;

(b) if so, details thereof;

(c) the decision of Government: and

(d) if the decision is in negative, the reasons therefor?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHOUDHURY): (a) to (d). The Central Electricity Authority had received a reference from the Uttar Pradesh State Electricity Board containing a proposal of the U.P. State Industrial Development Corporation Ltd. for Captive generating sets of 2 × 30 MW at an estimated cost of Rs. 5026.92 lakhs. Since the proposal was lacking in essential details, it was referred back to the U.P. State Electricity Board by the Central Electricity Authority. Revised proposal has not yet been received from the U.P. State Electricity Board.

डाक दरों में वृद्धि के विरुद्ध लघु समाचार-पत्र एसोसिएशन द्वारा विरोध

*794. श्री मूल चन्द डागा : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान लघु समाचार पत्रों पर डाक दरों में की गई वृद्धि के विरुद्ध विभिन्न स्थानों पर लघु समाचारपत्र एसोसिएशन द्वारा व्यक्त किये गये विरोध की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि छोटे समाचारपत्र भी दूरवर्ती गांवों में पहुंचते हैं और बड़े समाचारपत्रों के मूल्यों की तुलना में इनके मूल्य भी कम हैं ;

(घ) यदि हां, तो क्या छोटे समाचार पत्रों के ग्राहकों की संख्या बढ़ाने की दृष्टि से सरकार डाक दरों को घटाएगी ; और

(ङ) यदि हां, तो इस के क्या कारण हैं ?

संचार मंत्री (श्री सी० एम० स्टीफन) : (क) जी हां । कुछ अभ्या- वेदन प्राप्त हुए हैं ।

(ख) और (ग). यह सच नहीं है कि केवल छोटे समाचार पत्र ही दूरवर्ती ग्रामों में पहुंचते हैं । बड़े समाचार पत्र भी दूरवर्ती ग्रामों में पहुंचते हैं । निःसन्देह छोटे समाचार पत्रों का मूल्य बड़े समाचार पत्रों की अपेक्षा कम होता है ।

(घ) विभाग द्वारा डाक दरों में की गई वृद्धि अर्थात् निम्नतर स्लैब हेतु 2 पैसे से 5 पैसे की वृद्धि इतनी नगण्य है कि छोटे समाचार पत्रों के वितरण पर इससे कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए । गत कुछ वर्षों में उन्होंने स्वयं ही अपने समाचार पत्रों के मूल्यों में भारी वृद्धि की है ।

(ङ) इस सेवा के प्रचालन की लागत में हुई वृद्धि को ध्यान में रखते हुए